अस्थायी अध्यक्ष का स्वागत भाषण

माननीय सदस्यगण,

पंचदश बिहार विधान सभा के प्रथम सत्रारम्भ के अवसर पर मैं आप लोगों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ । संसदीय जीवन में उच्चतम परम्पराएँ बनाये रखने के लिए सदस्यों से आम जनता की अपेक्षा रहती है । सदस्यों का व्यवहार इस प्रकार का होना चाहिए, जिससे विधान सभा तथा उसके सभी सदस्यों की गरिमा बढ़े । सरकार अथवा विपक्ष दोनों में किसी को भी ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होने देनी चाहिए, जिससे कि सभा में हंगामे वाले दृश्य उपस्थित हो । वाक् स्वातंत्र्य के बिना ज्ञानपूर्ण वाद-विवाद नहीं हो सकता, किन्तु व्यवस्था के बिना तो वाद-विवाद हो ही नहीं सकता और इससे एक विमर्शी निकाय का उद्देश्य ही समाप्त हो जायेगा । इस परिप्रेक्ष्य में आपसे आशा है कि सभा की प्रतिष्ठा के विरूद्ध अथवा किसी भी प्रकार से उस स्तर के विपरीत आचरण नहीं होना चाहिए ।

राज्य की जनता ने जदयू एवं भाजपा गठबंधन को अपार बहुमत दिया है, जिससे वर्त्तमान सरकार से लोगों की अपेक्षाऐं बहुत अधिक बढ़ गई है । जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सरकार कार्य करेगी, ऐसी मेरी कामना है । वर्त्तमान सरकार के मुखिया माननीय मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों तथा सदन के सभी माननीय सदस्यों को इस सुअवसर पर बधाई देता हूँ।

आप जनता के प्रतिनिधि हैं, जनता ने जो उत्तरदायित्व आपको सौंपा है उसका वहन करने में आप पूर्ण रूप से सक्षम होंगे, यह मेरा विश्वास है । आप सभी को बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली तथा अन्य विषयों के संबंध में नियमावली फोल्डर में प्रदान की जा रही है, जिसके अध्ययन से आप संसदीय दायित्वों का कारगर ढंग से निर्वहन कर सकेंगे।

❄❄❄❄❄